Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 03-05-2022**

डॉ. राजीव ने हिंदी टाइपिंग के विकल्पों की दी जानकारी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से हिंदी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत। संवाद

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिंदी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी की महत्ता के साथ - साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on 'Hindi Typing'

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 03-05-2022**

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक : प्रो.टंकेश्वर कुमार

आइआइटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डा. राजीव रहे उपस्थित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। डा. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति ● सौ. हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 03-05-2022**

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। ये विचार विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्यक्ति किए। उन्होंने कहा कि आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 03-05-2022**

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ ह.कें.वि. में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का आयोजन

ह.कें.वि. में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए कुलपति।

महेंद्रगढ़, 2 मई (परमजीत, मोहन): हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराईल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षापीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

कार्यशाला में मंच संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 03-05-2022**

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो.टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हिन्दीहमारीराजभाषाहै और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 03-05-2022**

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो.टंकेश्वर कुमार

आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हकेवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 03-05-2022**

कार्यशाला

हकेंवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सात्विका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो.टंकेश्वर कुमार

आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप में रहे उपस्थित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोडे.से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग,

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हकेवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो.टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

■ ह.कें.वि. में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का आयोजन

ह.कें.वि. में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए कुलपति।

महेंद्रगढ़, 2 मई (परमजीत, मोहन): हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराईल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षापीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

कार्यशाला में मंच संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। ये विचार विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

हिंदी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक : प्रो.टंकेश्वर कुमार

आइआइटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डा. राजीव रहे उपस्थित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखें तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति ● सौ. हकेंवि

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल आफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डा. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। डा. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिन्दी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व आफलाइन दोनों ही माध्यमों से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

डॉ. राजीव ने हिंदी टाइपिंग के विकल्पों की दी जानकारी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आयोजित हुई कार्यशाला

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार के लिए मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है।

ये बातें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से हिंदी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिंदी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है। आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोड़े से ही प्रयास से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान

हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत । संवाद

समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षी पीठ की अधिष्ठाता प्रो.सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिंदी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिंदी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिंदी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी की महत्ता के साथ - साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो.प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Workshop on Futuristic aspects of Printing and Packaging Technology

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-05-2022**

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के विषय पर लगाई कार्यशाला

हकेवि में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए छात्र व मुख्य अतिथि • सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध हैं। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फारच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-05-2022**

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग उद्योग में हैं आगे बढ़ने के अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन और प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है।

हकेंविवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 06-05-2022**

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 06-05-2022**

हकेंवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र ने प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-05-2022**

'प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप' पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है, इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु विभिन्न बदलावों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 06-05-2022**

हकेवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं । फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के श्री नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक सप्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

हकेवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं । फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के श्री नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

'प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप' पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है, इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है।

कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु विभिन्न बदलावों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस. के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है।

डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस.-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

हकेंवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

■ पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अंतर राष्ट्रीय प्रकाशक सप्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज व सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर को भेंट करते हुए कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने में योगदान करती है। विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील, वित्त अधिकारी डॉ. विकास, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के विषय पर लगाई कार्यशाला

हकेवि में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए छात्र व मुख्य अतिथि ● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध हैं। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फारच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

पुस्तक नीति विकास व मानवीय मुद्दों को समझने के बेहतर : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डा. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कालेज सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर प्रा. टंकेश्वर ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक, मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डा. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों, निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

किया गया है।

उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआइएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डा. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआइएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक व सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डा. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का वीसी ने किया विमोचन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़ में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विमोचन करते हुए।

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग उद्योग में हैं आगे बढ़ने के अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन और प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है।

हकेंविवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ। संवाद

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन कियो। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। संवाद

कार्यशाला

हकेंवि में हिन्दी टाइपिंग पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हिन्दी के विकास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : प्रो. टंकेश्वर

आज समाज नेटवर्क

महेंद्रगढ़। हिन्दी हमारी राजभाषा है और इसके विकास के लिए बेहद आवश्यक है कि हम सभी इसके प्रचार-प्रसार हेतु मिलकर प्रयास करें। आज यदि हम चीन, जर्मनी, इजराइल जैसे विकसित देशों को देखे तो साफ हो जाता है कि इन देशों ने किस तरह से अपनी भाषा के सहारे विकास की बुलंदियों को हासिल किया है और अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। भारत के संदर्भ में भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा और इसके लिए हिन्दी भाषा के प्रति स्वीकार्यता का भाव बेहद जरूरी है।

आज के समय में तकनीकी के सहारे यह चुनौती और भी सहज हो गई है और हम थोडे. से ही प्रयास से

अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सोमवार को विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकस) व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति द्वारा हिन्दी टाइपिंग पर केंद्रित कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त की। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत

के साथ हुई। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान समिति की नोडल ऑफिसर व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने विषय परिचय प्रस्तुत किया और कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों, शोद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए बेहद उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस तरह के आयोजनों से हिन्दी के प्रयोग को बल मिलेगा। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ -साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-05-2022**

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर पुस्तक का विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन कियो। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 06-05-2022**

भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का वीसी ने किया विमोचन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़ में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार विमोचन करते हुए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-05-2022**

पुस्तक नीति विकास व मानवीय मुद्दों को समझने के बेहतर : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डा. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी प्राचार्य राणा प्रताप पीजी कालेज सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर प्रा. टंकेश्वर ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक, मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डा. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों, निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है।

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआइएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डा. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआइएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक व सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डा. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डा. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Harbhoomi **Date: 06-05-2022**

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

■ पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अंतर राष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आरबी सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डीके त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज व सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना

महेंद्रगढ़। पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो: हरिभूमि

प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर को भेंट करते हुए कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने में योगदान करती है। विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील, वित्त अधिकारी डॉ. विकास, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-05-2022**

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

रिमोट सैंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस. के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है।

डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सैंसिंग और जी.आई.एस.-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 06-05-2022**

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

महेंद्रगढ़, महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, वित्त अधिकारी डॉ. विकास कुमार, प्रो. रंजन अनेजा और डॉ. संदीप राणा भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 06-05-2022**

रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. आर.बी. सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय व प्रो. डी.के. त्रिपाठी, प्राचार्य, राणा प्रताप पीजी कॉलेज, सुल्तानपुर द्वारा संपादित पुस्तक का विमोचन किया। रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली पर आधारित इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक सतत योजना और प्रबंधन से संबंधित नीति विकास के लिए विविध भौतिक और मानवीय मुद्दों को समझने और हल करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पुस्तक के संपादक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की प्रति विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए कहा कि इस पुस्तक में सतत विकास के संबंध में नीति विकास और अनुसंधान के लिए विद्वानों, योजनाकारों और निर्णय निर्माताओं के बीच विभिन्न भौतिक और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर वैज्ञानिक ज्ञान के आधार को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक सतत विकास प्रक्रियाओं और नीति विकास को बेहतर ढंग से समझने के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के आधुनिक स्थानिक निर्णय समर्थन उपकरणों के महत्व को दर्शाती है। डॉ. मनीष ने बताया कि पुस्तक केस स्टडी पर चर्चा करती है और केस स्टडी के लिए नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है कि कैसे रिमोट सेंसिंग और जीआईएस-आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली भौतिक और सामाजिक-आर्थिक प्रक्रियाओं को समझने और सतत विकास के लिए व्यावहारिक नीति विकसित करने में योगदान करती है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-05-2022**

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग उद्योग में हैं आगे बढ़ने के अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन और प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें भविष्य उज्ज्वल है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है।

हकेंविवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 06-05-2022**

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-05-2022**

प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के विषय पर लगाई कार्यशाला

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेते हुए छात्र व मुख्य अतिथि • सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध हैं। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फारच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम में शामिल स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 06-05-2022**

हकेंवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। इसलिए इस क्षेत्र ने प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय हिसार के प्रो. अंजन बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध है। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 06-05-2022**

'प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप' पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 5 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहज ही समझा जा सकता है, इसलिए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए भविष्य की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं और इस तकनीक के सहारे ही पैकेजिंग के स्तर पर होने वाले वेस्ट को भी कम किया जा सकता है। फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस कोर्स में अध्ययन के बाद नौकरी ही नहीं बल्कि स्वरोजगार भी बेहद फायदे का सौदा है।

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागी मुख्य वक्ता व शिक्षकों के साथ।

कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक तैयारी हेतु विभिन्न बदलावों को जानने-समझने का अवसर मिलता है। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरुण सिंह व निशान सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 06-05-2022**

हकेवि में कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी के भविष्य के स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी का अध्ययन-अध्यापन व प्रशिक्षण बहुत कम स्थानों पर उपलब्ध है। ऐसे में जब हर क्षेत्र इस तकनीक का उपयोग कर रहा है तो इसमें उपलब्ध उज्ज्वल भविष्य को सहेज ही समझा जा सकता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. अंजन कुमार बराल ने कहा कि इस क्षेत्र में नई तकनीक की मदद से बड़े बदलाव संभव हैं । फॉरच्यूनर पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड के श्री नीरज शर्मा ने कहा कि प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में शामिल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षकों का धन्यवाद किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य शम्मी मेहरा, अनिल कुंडू, तरूण सिंह व निशान सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two-day workshop on 'Gaudhan Vikas, Atmanirbhar Kisan Abhiyan'

Newspaper: Amar Ujala **Date: 07-05-2022**

कार्यक्रम

हकेंविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, उपायुक्त हुए शामिल

मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही : उपायुक्त

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मनुष्य की मूल प्रकृति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

कार्यशाला में उपायुक्त श्याम लाल पुनिया को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। संवाद

एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश, रविंद्र का आभार व्यक्त किया। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है। और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव, लाडवा गोशाला के प्रबंधक मोहन शर्मा ने प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यवहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 07-05-2022**

हकेंवि में गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी व दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 07-05-2022**

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान शुरू

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ, उपायुक्त पूनिया व एसडीएम दिनेश विशिष्ट अतिथि

हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ● सौ. संस्था

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है।

उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेवारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गोशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गोशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रवास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके मॉडल व अनुभव का लाभ स्थानीय गोशाला संचालकों को इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरसीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डा. महेश यादव व लाडवा गोशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन डा. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जाट, पाली, धुरजट, धौली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Harbhoomi **Date: 07-05-2022**

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान का शुभारंभ

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। जिला उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचालक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलपति ने स्थानीय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कहा कि उन्हें आशा है कि यह प्रयास इस कार्यशाला से आगे बढ़कर धरातल पर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करेगा। विशिष्ट अतिथि उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणामस्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

गोशालाओं को समृद्ध बनाने का आह्वान

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन के साथ रहेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 07-05-2022**

गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान की शुरूआत

सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर करने होंगे प्रयास: उपायुक्त

गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एस.डी.एम. दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं।

जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पूनिया।

गौधन पर आधारित वस्तुओं की लगाई प्रदर्शनी

एस.डी.एम. दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त किया।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गौधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में गौधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आर.पी.एस. ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव व लाड्या गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गौधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उदभवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 08-05-2022**

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी : ओपी यादव

- कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन
- विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों के आत्मनिर्भरता की पहल

हकेवि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते डा. ओपी यादव● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डा. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डा. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 08-05-2022**

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी: यादव

■ हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विवि में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विवि दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के

महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते डॉ.ओपी यादव। फोटो: हरिभूमि

दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओपी यादव ने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 08-05-2022**

अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी: यादव

हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 08-05-2022**

देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत अहम योगदान: ओ.पी. यादव

■ हकेंवि में 2 दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 7 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को 2 दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आर.पी.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. आर.पी. तुलसीयान।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनानेकी दिशामेंप्रयासरत: कुलसचिव

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 09-05-2022**

कार्यशाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला का समापन

किसानों का आत्मनिर्भर बनना जरूरी: ओपी यादव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। समापन अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है। विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मछिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की सराहना की।

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

विशिष्ठ अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चैहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान और शोधार्थी उपस्थित रहे।

देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत अहम योगदान: ओ.पी. यादव

■ हकेंवि में 2 दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 7 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को 2 दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आर.पी.एस. ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. आर.पी. तुलसीयान।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है, इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनानेकी दिशामेंप्रयासरत: कुलसचिव

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी: यादव

● हकेवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आर.पी. तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि प्रो. आर.पी. तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से प्रतिभागियों के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति महोदय के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्भवन केंद्र में किसान हितैषी शोध व अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी: यादव

■ हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते डॉ .ओपी यादव। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विवि में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विवि दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र के मुख्यातिथि डॉ. ओपी यादव ने कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए अन्नदाता का आत्मनिर्भर होना जरूरी : ओपी यादव

- कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन
- विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों के आत्मनिर्भरता की पहल

हकेंवि में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते डा. ओपी यादव ● सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डा. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डा. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन सुनील अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चौहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान, विभिन्न गांवों के सरपंच, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

नारनौल, महेश कुमार (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 02 अप्रैल, 2022 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई, 2022 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 2 अप्रैल से आरंभ हुए दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है।

विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय में सी.यू.ई.टी. के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजैंसी (एन.टी.ए.) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई चलेगी।

प्रो. फूल सिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बी.टैक. सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी, बी.वॉक. रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमैंट, इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमैंट, बायोमैडिकल साइंसेज, इंटीग्रेटेड बी.एससी. एम.एससी. कैमिस्ट्री, मैथेमैटिक्स, फिजिक्स, बी.एससी. (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

गौधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान की शुरूआत

सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर करने होंगे प्रयास: उपायुक्त

गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक: प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़, 6 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एस.डी.एम. दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं।

जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे।

अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पूनिया।

गौधन पर आधारित वस्तुओं की लगाई प्रदर्शनी

एस.डी.एम. दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गौशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त किया।

नवाचार एवं उदभवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गौधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम में गौधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है।

किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आर.पी.एस. ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव व लाडवा गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गौधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उदभवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सह-आचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्व विद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई

■ आवेदक अब 22 मई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में दो अप्रैल से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय में सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूलसिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई तक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

चलेगी। उन्होंने बताया कि आवेदक 22 मई को सायं पांच बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा रात 11.50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। प्रो. फूलसिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बीवॉक रिटेल एंड लोजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज, इंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी केमेस्ट्री, मैथेमेटिक्स, फिजिक्स, बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान का शुभारंभ

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार विशिष्ठ अतिथि के रूप में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गौधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गौधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचालक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गौधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। कुलपति ने स्थानीय प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कहा कि उन्हें आशा है कि यह प्रयास इस कार्यशाला से आगे बढ़कर धरातल पर उल्लेखनीय परिणामों को प्राप्त करेगा। विशिष्ट अतिथि उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गौधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है, जिसके परिणामस्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए।

महेंद्रगढ़। जिला उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो: हरिभूमि

गोशालाओं को समृद्ध बनाने का आह्वान

उन्होंने गौधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गौधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गौवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन के साथ रहेगा।

गोधन विकास, आत्मनिर्भर किसान अभियान शुरू

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ, उपायुक्त पूनिया व एसडीएम दिनेश विशिष्ट अतिथि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए।

हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण को संबोधित करते उपायुक्त श्याम लाल पूनिया • सौ. संस्था

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उपायुक्त ने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है।

उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेवारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गोशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गोशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके माडल व अनुभव का लाभ स्थानीय गोशाला संचालकों को इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. संस्था

कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डा. महेश यादव व लाडवा गोशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत करावा।

कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन डा. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जींट, पाली, धुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन तिथि 22 तक बढ़ाई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में दो अप्रैल से आरंभ हुए दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई कर दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन के लिए बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा। विश्वविद्यालय में सीयूईटी के नोडल आफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई तक चलेगी। उन्होंने बताया कि आवेदक 22 मई को सायं पांच बजे तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा रात ग्यारह बजकर 50 मिनट तक आनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा। प्रो. फूल सिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बीटेक सिविल ईंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल ईंजीनियरिंग, कंप्यूटर साईंस ईंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बीबाक रिटेल एंड लाजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साईंसेज, ईंटीग्रेटेड बीएससी एमएससी केमेस्ट्री, मैथेमेटिक्स, फिजिक्स, बीएससी (आनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम उपलब्ध है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय • सौ. संस्था

हकेवि में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की तिथि बढ़ाई गई

आवेदक अब 22 मई तक कर सकेंगे अप्लाई

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 02 अप्रैल, 2022 से आरंभ हुई दाखिले हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 22 मई, 2022 कर दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आवेदन हेतु बढ़ाई गई तिथि से और अधिक आवेदकों को विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने का अवसर मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय में सीयूईटी के नोडल ऑफिसर प्रो. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा इस बार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया अब 22 मई, 2022 तक चलेगी। उन्होंने बताया की आवेदक 22 मई को सायं 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा रात 11:50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन फीस जमा करवा सकते हैं। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले करेगा।

प्रो. फूल सिंह ने बताया कि सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर बीटेक सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, बीवॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज, इंटीग्रेटेड बीएससी, एमएससी. केमेस्ट्री, मैथेमेटिक्स, फिजिक्स, बीएससी (ऑनर्स) मनोविज्ञान पाठ्यक्रम हैं।

हकेंवि में गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी व दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

प्रशिक्षण कार्यशाला में उपायुक्त को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों हेतु आयोजित इस कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पूनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से गोधन विकास और कृषि के क्षेत्र में किसानों के लिए आवश्यक जागरूकता को बढ़ा पाना संभव होगा जो कि आत्मनिर्भर गांव, जिले, राज्य व देश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति व आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। जिसके परिणाम स्वरूप जरूरत है कि आपसी समन्वय स्थापित कर मिलकर प्रकृति के विकास के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने गोधन विकास को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि हमारे समक्ष लाडवा गौशाला का उदाहरण उपस्थित है, जिससे सीखकर हम भी गौशालाओं को समृद्ध बना सकते हैं। जिला उपायुक्त ने अपने संबोधन में गोधन विकास व कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिणामों के लिए कृषि व गोवंश वैज्ञानिक तथा किसान के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। अपने संबोधन में जिला उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्वयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। इसी क्रम में एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश व रविंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके मॉडल व अनुभव का लाभ स्थानीय गोशाला संचालकों को इस कार्यशाला के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा।

नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुमीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि वे कृषि विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत हैं और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से वे स्थानीय कृषकों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव व लाडवा गौशाला के मैनेजर मोहन शर्मा ने अपने संबोधन के माध्यम से प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों सहित जांट, पाली, भुरजट, धोली और खुडाना गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

हकेंविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, उपायुक्त हुए शामिल

मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही : उपायुक्त

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय के गोद लिए गांवों के किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त श्याम लाल पुनिया व एसडीएम दिनेश कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि गोधन पुरातन काल से ही जीवन में संतुलन का परिचायक रहा है।

उपायुक्त श्याम लाल पुनिया ने कहा कि अवश्य ही इस तरह के प्रयासों से गोधन के विकास व किसानों के प्रशिक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मनुष्य की मूल प्रवृत्ति प्रकृति से जुड़ाव की रही है और वह प्रकृति से प्रेम करता है। उन्होंने कहा कि सस्टेनेबल फ्यूचर की परिकल्पना को साकार करने के लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। उपायुक्त ने आयोजन में सम्मिलित कृषि विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वरिष्ठ समन्यवयक रमेश यादव, नाबार्ड के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विशेषज्ञों का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा।

कार्यशाला में उपायुक्त श्याम लाल पुनिया को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। संवाद

एसडीएम दिनेश कुमार ने कहा कि धरातल पर जनमानस से जुड़े किसी भी विषय में विश्वविद्यालय के प्रयास को जिला प्रशासन अंजाम तक पहुंचाने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित हिसार की लाडवा गोशाला के प्रतिनिधियों मोहन शर्मा, रजनीश, रविंद्र का आभार व्यक्त किया। नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यशाला के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से गोधन विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। साथ ही साथ कृषि क्षेत्र में जारी बदलावों पर भी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला का मुख्य आकर्षण लाडवा गोशाला है जो कि अपने कुशल प्रबंधन के लिए न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के स्तर पर अपनी एक अलग पहचान रखती है। कार्यक्रम में गोधन आधारित वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजन स्थल पर लगाई गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान का उल्लेख करते हुए किसानों के विकास और भारत निर्माण में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद मानव जाति के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत है। और उनके सहयोग के लिए विश्वविद्यालय इस तरह के आयोजन भविष्य में भी करता रहेगा। कृषि विज्ञान केंद्र के रमेश यादव, आरपीएस ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. महेश यादव, लाडवा गोशाला के प्रबंधक मोहन शर्मा ने प्रतिभागियों को कृषि व गोधन विकास के मोर्चे पर तकनीकी बदलावों के साथ व्यावहारिक पक्षों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन नवाचार एवं उद्भवन केंद्र के सुनील अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा पीठ के सहआचार्य डॉ. दिनेश चहल ने दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-05-2022**

हकेंविवि में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रॉस की शुरुआत की थी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 10-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरुरतमंद लोगों की सेवा करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 10-05-2022**

विपरीत परिस्थिति में रक्षा करती है रेडक्रास : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रास संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल आठ मई को विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है।

स्वयंसेवकों को संबोधित करते डा. दिनेश चहल • सौ. संस्था

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 10-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रैडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रैडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रैडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी।

अपने संदेश में कहा कि विश्व रैडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रैडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 10-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रास एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रॉस संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया जाता है और इस दिन ये दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 8 मई को हेनरी ड्यूनेंट का जन्म हुआ था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रास ने हमेशा नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran and Amar Ujala (All Editions)

Date: 10-05-2022

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़ - 123031 (हरियाणा)

रोजगार सूचना (प्रतिनियुक्ति पर)

विज्ञापन सं: हकेवि / 02 / एनटी / डी / 2022 दिनांक : 06.05.2022

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न शिक्षणेतर पदों पर प्रतिनियुक्ति (Deputation) के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पूरा विज्ञापन और अन्य विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.cuh.ac.in** पर उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र आदि केवल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। भरे हुए आवेदन पत्र दिनांक **20.05.2022** को **सायं 5.00 बजे** तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में पहुँच जाने चाहिए।

उप–कुलसचिव
स्थापना शाखा (भर्ती)

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

World Red Cross Day

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-05-2022**

हकेंविवि में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रॉस की शुरुआत की थी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 10-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में ज़रुरतमंद लोगों की सेवा करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 10-05-2022**

विपरीत परिस्थिति में रक्षा करती है रेडक्रास : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रास संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल आठ मई को विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है।

स्वयंसेवकों को संबोधित करते डा. दिनेश चहल • सौ. संस्था

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 10-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रैडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रैडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रैडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी।

अपने संदेश में कहा कि विश्व रैडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रैडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 10-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रास एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रॉस संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया जाता है और इस दिन ये दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 8 मई को हेनरी ड्यूनेंट का जन्म हुआ था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रास ने हमेशा नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 11-05-2022**

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

सांसद ने लोकसभा में उठाई थी आवाज, अब प्रदेश सरकार को देनी होगी मंजूरी, केंद्र सरकार को भेजना होगा प्रस्ताव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़/नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को लेटर भी जारी कर दिया है। उन्होंने लेटर के माध्यम से बताया कि 20 अप्रैल को हकेंविवि महेंद्रगढ़ में घोषित मेडिकल कॉलेज के लिए उचित कार्रवाई के लिए प्रदेश सरकार को भेज दिया है।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने 9 मई को सूबे के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार को जल्द प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है। वहीं हकेंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित कराती है तो विवि की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधारशिला 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने रखी थी। उस समय हकेंविवि को बनाने के लिए गांव जांट पाली की 488 एकड़ पंचायती जमीन अधिगृहित की गई थी। उसी समय से क्षेत्रवासियों की हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की मांग चली आ रही है। बीच में जिले के अंदर राज्य सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की चर्चा चली तो उस समय अवश्य नेताओं ने यहां मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग उठाई थी लेकिन अब वह मेडिकल कॉलेज 500 करोड़ रुपये से कोरियावास में बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा कोरियावास में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की घोषणा पर लोग हताश हो गए थे इसके बाद हकेंविवि मेडिकल कॉलेज की मांग किसी भी नेता ने नहीं उठाई। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने 31 मार्च 2022 को आम बजट में मेडिकल कॉलेज का मुद्दा उठाया। यह मुद्दा उठने के बाद क्षेत्रवासियों को मेडिकल कॉलेज की दोबारा आस बंधी है। अगर यह प्रोजेक्ट सिरे चढ़ जाता है तो क्षेत्र लगभग 250 गांवों तथा आसपास के जिलों को इस फायदा मिलेगा।

प्रदेश सरकार को नहीं देनी होगी हिस्सेदारी, केवल सैद्धांतिक मंजूरी की जरूरत: सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब राज्य सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजना होगा। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र भी लिखा है। सांसद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में प्रदेश सरकार को अपनी कोई हिस्सेदारी नहीं देनी होगी, यह पूरा प्रोजेक्ट केंद्र सरकार बनाएगी। राज्य सरकार को केवल अपनी सैद्धांतिक मंजूरी देनी होगी। अगर राज्य सरकार सैद्धांतिक मंजूरी दे देती है तो केंद्र सरकार हरियाणा केंद्रीय विद्यालय में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर देगी।

सांसद धर्मवीर।

स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग को लिखा गया पत्र। संवाद

मुख्यमंत्री केंद्र को भेजें प्रस्ताव

केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से पत्र संख्या यू-14017/55/2022-एमई-2 (8163527) के तहत 20 अप्रैल 2022 के द्वारा प्रस्ताव मांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज दे तो इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है।

"अगर हकेंविवि का यह जिम्मेदारी मिलेगी तो उसे पूरी तरह से निभाएगी। हकेंविवि के पास मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त जमीन है जितनी जमीन की जरूरत होगी, उतनी हकेंविवि उपलब्ध करवा देगा।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति।

श्री सुंडाराम ट्रस्ट ने की थी सांसद से मांग

महेंद्रगढ़। केंद्र सरकार ने जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इस बारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एक पत्र सांसद धर्मबीर सिंह को लिखा है। पिछले दिनों रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे देश के हजारों छात्रों को यहां से निकाला गया था। अब उन छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी करना चुनौती बना हुआ है। महेंद्रगढ़ जिले के भी दर्जन भर ऐसे छात्र निकाले गए थे। उन दिनों लोकसभा का सत्र भी चल रहा था। श्री सुंडाराम ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात कर एक पत्र सौंपा था जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया था। संदीप मालड़ा ने बताया कि देश भर में 16 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं और सभी में अगर मेडिकल कॉलेज खोल दिया जाता है तो देश में हजारों सीटें मेडिकल की पढ़ाई की बढ़ जाएंगी और बहुत से बच्चों को यू देश से बाहर मेडिकल की पढ़ाई करने नहीं जाना पड़ेगा। संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान ही जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग उठाई जिस पर अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 11-05-2022**

भास्कर खास • लोकसभा सांसद द्वारा सदन में मुद्दा उठाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य सरकार को जारी किया पत्र

केंद्रीय विवि में मेडिकल कॉलेज खोलने की केंद्र सरकार की पहल, अब गेंद राज्य सरकार के पाले में

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पत्र के साथ ही सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने भी लिखा सीएम को पत्र

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

केन्द्र सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इस बारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राज्य सरकार को पत्र लिख कर प्रस्ताव भेजने को कहा है। केंद्र की इस पहल के बाद सांसद धर्मबीर सिंह ने भी सीएम को पत्र लिख कर हरेकि में मेडिकल कॉलेज के लिए प्रस्ताव भिजवाए जाने का अनुरोध किया है।

विवि के शुभारंभ से ही विश्वविद्यालय परिसर में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की मांग उठ रही है। मौजूदा प्रदेश सरकार के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की अपनी घोषणा के तहत नारनौल जिला मुख्यालय के पास मेडिकल कॉलेज की मंजूरी के बाद महेंद्रगढ़ के लोगों की तरफ से यह हरेकि में मेडिकल कॉलेज की मांग ने जोर पकड़ा था। सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग को उठाया था।

सामाजिक संगठनों ने सांसद को सौंपा था ज्ञापन

हरेकि में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर क्षेत्र की अनेक सामाजिक संगठनों की तरफ से सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को ज्ञापन सौंपे गए हैं। पिछले दिनों रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारत के हजारों छात्रों को वहां से निकाला गया था। उसके बाद से केंविवि में मेडिकल कॉलेज की मांग ने दोबारा से जोर पकड़ा। इस पर सुंदरराम ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा था। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया था। मालड़ा ने बताया कि देश भर में 36 विवि हैं। सभी में अगर मेडिकल कॉलेज खोल दिया जाता है तो देश में हजारों सीटें मेडिकल की पढ़ाई की बढ़ जायेंगी और बहुत से बच्चों को देश से बाहर मेडिकल की पढ़ाई करने नहीं जाना पड़ता। सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान ही जट पली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग उठाई। जिसपर अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह का धन्यवाद व्यक्त किया है।

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की तरफ से सीएम मनोहरलाल को लिखे पत्र में कहा गया है कि महेंद्रगढ़ जिला में हरियाणा केन्द्रीय विश्विद्यालय पाली में घोषित मेडिकल कॉलेज के निर्माण का मुद्दा हाल ही में 31 मार्च को लोकसभा के बजट सत्र में नियम 377 के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखा था। जिसके लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से 20 अप्रैल को को पत्र भेजे कर प्रस्ताव मांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज दे तो इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है। मेरा निवेदन है कि हरियाणा केन्द्रीय विश्विद्यालय पाली में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए राज्य सरकार की तरफ से एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द से जल्द भेजा जाए। ताकि इस मेडिकल कॉलेज जल्द से जल्द निर्माण कराया जा सके।

सदन में उनके इस मुद्दे को उठाने के बाद अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक मंजूरी दी है। राज्य सरकार को पत्र भेजा पर इसके लिए प्रस्ताव भेजने को कहा है। इससे हरेकि में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर एक बार गेंद फिर राज्य सरकार के पाले में आ गई है। सांसद धर्मबीर सिंह ने भी सीएम मनोहरलाल को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि राज्य सरकार इस बारे केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे। जिससे इस मामले को सिरे चढ़ाया जा सके।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 11-05-2022**

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

हकेंवि में मेडिकल कॉलेज निर्माण को भेजा प्रस्ताव

तीन चरणों में देश में कुल 157 मेडिकल कॉलेज बनने है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के मुद्दे को संसद में उठाने के पश्चात सांसद धर्मबीर सिंह ने सीएम के नाम प्रदेश सरकार को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास जल्द भिजवाने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि महेंद्रगढ़ के जांट-पाली में वर्ष 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने जब हकेंवि का उद्घाटन किया था, तब इस केंद्रीय विवि में एक मेडिकल कॉलेज भी खोले जाने की घोषणा की थी, लेकिन कमाल की बात है कि तबसे लेकर अब तक करीब सवा दशक लंबा समय बीत गया, लेकिन अब तक मेडिकल कॉलेज निर्माण में कोई हलचल नहीं हुई। शुरूआत में तो केंविवि स्वयं की बिल्डिंग को ही तरस गया था और इस विवि को भवन के अभाव में नारनौल के बीएड कॉलेज में चलाया गया, जबकि प्रशासनिक भवन गुड़गांव से चला। काफी जद्दोजहद के बाद इस विवि का भवन निर्माण चला और कुछ हिस्सा बनने पर जांट-पाली में विवि की कक्षाएं एवं प्रशासनिक कार्यालय स्थानांतरित किए गए। इसी दौरान कई नए कोर्स चालू भी चालू हुए, लेकिन मेडिकल कॉलेज की बात कहीं दब गई, जिसे महेंद्रगढ़ के कुछ जागरूक लोगों ने सांसद धर्मबीर सिंह के सम्मुख रखा। सांसद ने इस मुद्दे को गत 31 मार्च संसद में प्रश्नकाल के दौरान उठाया और सरकार का ध्यान खिंचा। इसके जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मांडविया की ओर से एक पत्र सांसद धर्मबीर को गत 25 अप्रैल को भेजा गया, जिसमें उल्लेख किया गया है कि आपने महेंद्रगढ़ एवं चरखी दादरी में मेडिकल कॉलेज की मांग उठाई गई है। इसकी जांच करवाने पर पता चला है कि इस मंत्रालय द्वारा केंद्र प्रायोजित एक योजना नामत: मौजूदा जिला/रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना लागू की जा रही है। इसके तहत तीन चरणों में देश में कुल 157 मेडिकल कॉलेज बनने है। पहले चरण में 58, दूसरे में 24 तथा तीसरे में 75 कॉलेज बनने हैं। हरियाणा में भिवानी जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार की ओर से महेंद्रगढ़ और चरखी दादरी जिलों के मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। यदि अगले चरण में योजना का विस्तार हुआ तो उस पर जरूर विचार किया जाएगा। इसके अलावा महेंद्रगढ़ जिले में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में घोषित मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू करने के अनुरोध को हरियाणा सरकार के पास भेज दिया गया।

नारनौल। केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

राज्य सरकार को केंद्र को पत्र भेजने का अनुरोध

सांसद ने सीएम के नाम एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजने का अनुरोध किया है। अब देखना होगा कि राज्य सरकार केंद्रीय मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने में कितना समय लेती है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13-05-2022**

हकेंविवि में इको फ्रेंडली ई-रिक्शा की हुई शुरुआत

निर्धारित शुल्क देकर विवि परिसर में आवागमन कर सकेंगे विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पांच इको फ्रेंडली ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जाएंगे जिसकी शुरूआत की गई।

हकेंविवि में ई-रिक्शा की शुरुआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से विवि परिसर में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सुविधा होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 13-05-2022**

हकेंवि में 5 इको-फ्रैंडली ई-रिक्शा शुरू

आवागमन में होगी सहूलियत, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी

हकेंवि में ई-रिक्शा की सवारी करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ई-रिक्शा की शुरुआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए 5 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए गए हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 13-05-2022**

हकेवि में इको-फ्रेंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत

हकेवि में ई-रिक्शा की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. संस्था

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बृहस्पतिवार को पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पांच ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा के माध्यम से कैंपस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहूलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रेंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन के लिए परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

इसी प्रयास के अंतर्गत बृहस्पतिवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डा. एपी शर्मा, डा. शांतेष कुमार सिंह, डा. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 13-05-2022**

हकेवि महेंद्रगढ़ में चलेगा इको-फ्रैंडली ई रिक्शा

नारनौल (निस) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई बीपीएससी रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहुलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों के प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 13 May 2022
https://epaper.dainiktribu

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagat Kranti **Date: 13-05-2022**

हकेंवि में इको-फ्रैंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत

जगत क्रान्ति ⏭ ईश्वर तिवारी

महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा के माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन मे आने-जाने में सहुलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी

प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 13-05-2022**

हकेंवि में ईको-फ्रैंडली ई-रिक्शा की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 12 मई (मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए 5 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

हकेंवि में ई-रिक्शा की शुरूआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक से दूसरे भवन में आने-जाने में सहूलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा ईको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 13-05-2022**

हकेवि में इको-फ्रेंडली ई रिक्शा की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, सरोज यादव/महेश गुप्ता (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहुलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. ए.पी. शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 13-05-2022**

मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर पांच जिले के 250 गांवों को होगा फायदा

केंद्र सरकार ने मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दी सैद्धांतिक मंजूरी

केंद्र सरकार को नहीं खरीदनी होगी जमीन, नीट क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए नहीं जाना होगा बाहर

प्रदीप शर्मा

नारनौल। केंद्र सरकार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब गेंद राज्य सरकार के पाले में है।

अगर राज्य सरकार इसका प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेज देती है तो हकेंविवि में जल्द ही मेडिकल कॉलेज की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर महेंद्रगढ़ से लगते रेवाड़ी, चरखी दादरी, भिवानी, झुंझुनू जिले के लगभग 250 गांवों को फायदा मिलेगा। मरीजों को रोहतक, जयपुर, गुरुग्राम, दिल्ली जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वर्तमान मेडिकल की अच्छी सुविधा नहीं होने की वजह से प्रतिदिन 300 से अधिक दूसरे जिलों एवं राज्यों में जाते हैं। यहीं हादसे में घायलों रेफर किए जाने के बाद बीच रास्ते में दम तोड़ने वालों की संख्या में भी कमी आएगी। इसके अलावा मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए बाहर जाने वाले विद्यार्थी अपने ही जिले में पढ़ाई कर सकेंगे।

महेंद्रगढ़ हरियाणा में शिक्षा का हब, प्रति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी करते नीट क्वालीफाई : प्रदेश में महेंद्रगढ़ शिक्षा का हब माना जाता है। बतौर पढ़ाई के जिले ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ली है।

इस क्षेत्र में बड़े-बड़े निजी शिक्षण संस्थान हैं। इन संस्थानों से प्रति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी नीट की परीक्षा क्वालीफाई करते हैं जो दूसरे राज्यों में जाकर एमबीबीएस, बीडीएस तथा बीएमएस की पढ़ाई करते हैं। अगर मेडिकल कॉलेज यहां स्थापित हो जाता है तो क्षेत्र के विद्यार्थियों को दूसरे राज्यों में डाक्टर की पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होगी, उनको यह सुविधा यहीं मिल जाएगी।

केंद्र सरकार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। (संवाद)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। संवाद

एक-दो दिन में करेंगे मुख्यमंत्री व स्वास्थ्यमंत्री से मुलाकात : रामबिलास

मेरी पहले भी कोशिश रही थी कि हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो और अब भी है। एक दो दिन में चंडीगढ़ जाकर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करेंगे और इस प्रोजेक्ट की जोरदार पैरवी करेंगे। मेरी कोशिश रहेगी कि आईएमटी खुडाना एवं मेडिकल कॉलेज दोनों का एक साथ उद्घाटन करवाया जाए। मुख्यमंत्री पर हमें भरोसा है कि वो इस प्रोजेक्ट की सैद्धांतिक मंजूरी दे देंगे।

महेंद्रगढ़ से दूर पड़ने वाले मेडिकल कॉलेज

रोहतक	110 किलोमीटर
जयपुर	190 किलोमीटर
गुरुग्राम	100 किलोमीटर
दिल्ली	135 किलोमीटर

मेडिकल के छात्र बोले

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज बनना चाहिए। इससे मेडिकल में सीटें बढ़ेंगी और विद्यार्थियों को प्रवेश भी मिलेगा। साथ ही क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाएं भी बढ़ेंगी। **-यश यादव विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

प्रदेश सरकार को इस प्रोजेक्ट पर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी देनी जानी चाहिए। मेडिकल कॉलेज बनने के बाद क्षेत्र के विद्यार्थियों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। **- नेहा, विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

कई गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे रैंकिंग में पिछड़ जाते हैं जिससे उनका प्रवेश सरकारी कॉलेज में नहीं हो पाता। प्राइवेट कॉलेज की फीस परिजन वहन नहीं कर सकते। ऐसे में उनका डॉक्टर बनने का सपना अधूरा रह जाता है। **-अन्नु**

मेडिकल कॉलेज खुलने से सीटें बढ़ेंगी, ऐसे में उन विद्यार्थियों को फायदा होगा जिनका कुछ नंबर कम रहने पर एडमिशन नहीं हो पाता था, उन्हें एक वर्ष दोबारा से तैयारी करनी पड़ती थी। **-श्रीयुक्ता गौड़ विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

सीटें कम रहने की वजह से नीट की परीक्षा में रैंकिंग पाना बड़ा मुश्किल होता है। जिस वजह से कई विद्यार्थी दो से तीन प्रयास में भी सफल नहीं हो पाते, उनका चिकित्सक बनने का सपना अधूरा रह जाता है। **-आयुष्मान विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

जिला शिक्षा का हब है। इस क्षेत्र से प्रति वर्ष 100 विद्यार्थी नीट क्वालीफाई करते हैं। ऐसे क्षेत्र में तो मेडिकल कॉलेज बहुत आवश्यक है। इससे उनको पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। **-रजत, विद्यार्थी, हैप्पी स्कूल।**

मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हर विद्यार्थी का सपना डॉक्टर बनने का होता है और वह पूरे वर्ष उसके लिए काफी मेहनत भी करता है लेकिन रैंकिंग ठीक नहीं आने की वजह से या तो उसका होता नहीं या फिर कॉलेज अच्छा नहीं मिल पाता जिससे वह हताशहित हो जाता है। **-अनिश कुमार, विद्यार्थी, हैप्पी स्कूल।**

नीट की परीक्षा में 80 प्रतिशत राज्य का कोटा होता है। अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो विद्यार्थियों को उस कोटे का फायदा मिलेगा और अपने ही जिले में रहकर डॉक्टर बनने का सपना साकार कर सकेंगे। **-केशव विद्यार्थी हैप्पी स्कूल।**

नहीं खरीदनी होगी जमीन : अगर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज की मंजूरी मिल जाती है तो केंद्र सरकार को 50 प्रतिशत कवट का फायदा हो जाएगा। केंद्र सरकार को कॉलेज के लिए जमीन एक्वायर करने की आवश्यकता नहीं होगी। हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त मात्रा में जमीन है। अगर दूसरी जगह बनाते हैं तो करोड़ों रुपये की जमीन खरीदनी पड़ती है। खास बात यह है कि प्रदेश सरकार को इस पर एक रुपया खर्चा नहीं करना पड़ेगा केवल उनकी सैद्धांतिक मंजूरी देनी है। विवि प्रशासन पहले ही हर संभव मदद और जमीन दिए जाने का आश्वासन दे चुका है।

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

भारत अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा और विकासात्मक निर्माण पर केंद्रित करे: डा. केतकर

■ आई.सी.एस.एस.आर. को भेजी जाएगी संगोष्ठी की रिपोर्ट

महेंद्रगढ़, 14 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे चरण की शुरूआत जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डा. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया (मुख्य रूप से भारत) पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन आवश्यक ही उपयोगी साबित होगा।

हकेंवि में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आई.सी.एस.एस.आर. को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शान्तेष कुमार सिंह की सम्पादित पुस्तक नॉनट्रडिशनल सैक्योरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस. पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बंगलादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने हेतु संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा है तथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की बात करता है।

तालिबान द्वारा की गई प्रैस कांफ्रैंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से प्रो. रिपू सुदान सिंह तथा मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डा. अशोक के. बेहुरिया ने विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

साथ ही उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए सत्र को संवादात्मक रूप दिया। इस 2 दिवसीय संगोष्ठी में 15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

विश्वविद्यालय में 40 से अधिक शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। वहीं 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डॉ. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डॉ. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह उल्लेखनीय आयोजन रहा। कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर कुलपति व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शांतेष कुमार सिंह की संपादित पुस्तक नॉनट्रडिशनल सेक्युरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार

हकेंविवि में डॉ. शांतेष कुमार सिंह द्वारा संपादित पुस्तक का किया गया विमोचन। संवाद

व दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने के लिए संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा है तथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात करता है। तालिबान द्वारा की गई प्रेस कांफ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से प्रो. रिपू सुदान सिंह तथा मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डॉ. अशोक के. बेहुरिया विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने इस विषय को महत्वपूर्ण बताया और तालिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों पर प्रकाश डाला।

हकेवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ

नारनौल (निस) : केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Sat, 14 May 2022
https://epaper.dainiktribune

'काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण'

संगोष्ठी में अफगानिस्तान में बदली परिस्थितियों से भारत और एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। उन्होंने कहा कि हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालात के कारणों और उससे देश - दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने और समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

हकेंविवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कैप्टन आलोक बंसल को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार संवाद

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने संगोष्ठी के विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका सुश्री निधि बहुगुणा ने अफगानिस्तान में बदले हालातों और इसमें अमेरिका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। डॉ. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। इस मौके पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

Eco-friendly e-rickshaw service started at CUH

TTCorrespondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: For the convenience of transportation within the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh campus, Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar on Thursday launched eco-friendly e-rickshaw service. Five e-rickshaws are being made available for the movement of students, research scholars, teachers, staff and visitors from one place to another within the University. While inaugurating this facility, the Vice Chancellor said that through this facility, there will be ease in commuting from one building to another in the campus and the battery based e-rickshaw being eco-friendly will also help in reducing pollution. Prof. Sunil Kumar, Registrar said that the need was felt to develop eco-friendly alternatives of transport for commuting within the University. Under this effort, the facility of e-rickshaw has been started in the campus from Thursday. Under this facility, travelling can be done on the fixed route by paying the prescribed fee. On this occasion along with the Dean Academics of the University Prof. Dinesh Kumar, Prof. Sunita Srivastava, Controller of Examinations Prof. Rajiv Kaushik, Dean Student Welfare Prof. Anand Sharma, Proctor Prof. Pramod Kumar, Prof. Ranjan Aneja, Prof. Sunil Kumar, Dr. A.P. Sharma, Dr. Shantesh Kumar Singh, Dr. Dinesh Chahal, Radheshyam, Sunder Lal Sharma, other faculty members and staff of the University were present.

हकेवि महेंद्रगढ़ में चलेगा इको-फ्रैंडली ई रिक्शा

नारनौल (निस) :हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा हेतु कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को पर्यावरण हितैषी ई बीपीएससी रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पाँच ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से कैम्पस में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सहुलियत होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों के प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर विवि के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 13 May 2022
https://epaper.dainiktribu

हकेंवि में 5 इको-फ्रैंडली ई-रिक्शा शुरू

आवागमन में होगी सहूलियत, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी

हकेंवि में ई-रिक्शा की सवारी करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ई-रिक्शा की शुरुआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए 5 ई-रिक्शा उपलब्ध कराए गए हैं। कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

हकेंविवि में इको फ्रेंडली ई-रिक्शा की हुई शुरुआत

निर्धारित शुल्क देकर विवि परिसर में आवागमन कर सकेंगे विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में आवागमन की सुविधा के लिए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पर्यावरण हितैषी ई-रिक्शा की शुरूआत की। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व आगंतुकों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने-जाने के लिए पांच इको फ्रेंडली ई-रिक्शा उपलब्ध कराएं जाएंगे जिसकी शुरूआत की गई।

हकेंविवि में ई-रिक्शा की शुरुआत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

कुलपति ने इस सुविधा की शुरूआत करते हुए कहा कि इस सुविधा माध्यम से विवि परिसर में एक भवन से दूसरे भवन आने-जाने में सुविधा होगी और बैटरी आधारित ई-रिक्शा इको फ्रैंडली होने से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को भी कम करने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में आवागमन हेतु परिवहन के पर्यावरण हितैषी विकल्पों को विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसी प्रयास के अंतर्गत वीरवार से परिसर में ई-रिक्शा की सुविधा शुरू की गई है। इस सुविधा के अंतर्गत निर्धारित शुल्क देकर तय रूट पर सफर किया जा सकता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कौशिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा, कुलानुशासक प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. सुनील कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. शांतेष कुमार सिंह, डॉ. दिनेश चहल, राधेश्याम, सुंदर लाल शर्मा सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर पांच जिले के 250 गांवों को होगा फायदा

केंद्र सरकार ने मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की दी सैद्धांतिक मंजूरी

केंद्र सरकार को नहीं खरीदनी होगी जमीन, नीट क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए नहीं जाना होगा बाहर

प्रदीप शर्मा

नारनौल। केंद्र सरकार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब गेंद राज्य सरकार के पाले हैं।

अगर राज्य सरकार इसका प्रस्ताव बनाकर केंद्र को भेज देती है तो हकेंविवि में जल्द ही मेडिकल कॉलेज की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। मेडिकल कॉलेज स्थापित होने पर महेंद्रगढ़ से लगते रेवाड़ी, चरखी दादरी, भिवानी, झुंझुनू जिले के लगभग 250 गांवों को फायदा मिलेगा। मरीजों को रोहतक, जयपुर, गुरुग्राम, दिल्ली जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वर्तमान मेडिकल की अच्छी सुविधा नहीं होने की वजह से प्रतिदिन 300 से अधिक दूसरे जिलों एवं राज्यों में जाते हैं। वहीं हादसे में घायलों रेफर किए जाने के बाद बीच रास्ते में दम तोड़ने वालों की संख्या में भी कमी आएगी। इसके अलावा मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए बाहर जाने वाले विद्यार्थी अपने ही जिले में पढ़ाई कर सकेंगे।

महेंद्रगढ़ हरियाणा में शिक्षा का हब, प्रति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी करते नीट क्वालीफाई : प्रदेश में महेंद्रगढ़ शिक्षा का हब माना जाता है। बतौर पढ़ाई के जिले ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना ली है।

इस क्षेत्र में बड़े-बड़े निजी शिक्षण संस्थान हैं। इन संस्थानों से प्रति वर्ष लगभग 100 विद्यार्थी नीट की परीक्षा क्वालीफाई करते हैं जो दूसरे राज्यों में जाकर एमबीबीएस, बीडीएस तथा बीएएमएस की पढ़ाई करते हैं। अगर मेडिकल कॉलेज यहां स्थापित हो जाता है तो क्षेत्र के विद्यार्थियों को दूसरे राज्यों में डाक्टर की पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होगी, उनको वह सुविधा यहीं मिल जाएगी।

केंद्र सरकार ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। (संवाद)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। संवाद

एक-दो दिन में करेंगे मुख्यमंत्री व स्वास्थ्यमंत्री से मुलाकात : रामबिलास

मेरी पहले भी कौशिश रही थी कि हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो और अब भी है। एक दो दिन में चंडीगढ़ जाकर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज और मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करेंगे और इस प्रोजेक्ट की जोरदार पैरवी करेंगे। मेरी कौशिश रहेगी कि आईएमटी खुडाना एवं मेडिकल कॉलेज दोनों का एक साथ उद्घाटन करवाया जाए। मुख्यमंत्री पर हमें भरोसा है कि वो इस प्रोजेक्ट की सैद्धांतिक मंजूरी दे देंगे।

कई गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे रैंकिंग में पिछड़ जाते हैं जिससे उनका प्रवेश सरकारी कॉलेज में नहीं हो पाता। प्राइवेट कॉलेज की फीस परिजन वहन नहीं कर सकते। ऐसे में उनका डॉक्टर बनने का सपना अधूरा रह जाता है। **-अन्नु**

जिला शिक्षा का हब है। इस क्षेत्र से प्रति वर्ष 100 विद्यार्थी नीट क्वालीफाई करते हैं। ऐसे क्षेत्र में तो मेडिकल कॉलेज बहुत आवश्यक है। इससे उनको पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। **-रजत, विद्यार्थी, हैप्पी स्कूल।**

महेंद्रगढ़ से दूर पड़ने वाले मेडिकल कॉलेज

रोहतक	110 किलोमीटर
जयपुर	190 किलोमीटर
गुरुग्राम	100 किलोमीटर
दिल्ली	135 किलोमीटर

मेडिकल के छात्र बोले

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज बनना चाहिए। इससे मेडिकल में सीटें बढ़ेंगी और विद्यार्थियों को प्रवेश भी मिलेगा। साथ ही क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाएं भी बढ़ेंगी। **-यश यादव विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

प्रदेश सरकार को इस प्रोजेक्ट पर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी देनी जानी चाहिए। मेडिकल कॉलेज बनने के बाद क्षेत्र के विद्यार्थियों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। **- नेहा, विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

मेडिकल कॉलेज खुलने से सीटें बढ़ेंगी, ऐसे में उन विद्यार्थियों को फायदा होगा जिनका कुछ नंबर कम रहने पर एडमिशन नहीं हो पाता था, उन्हें एक वर्ष दोबारा से तैयारी करनी पड़ती थी। **-श्रीयुक्ता गौड़ विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

सीटें कम रहने की वजह से नीट की परीक्षा में रैंकिंग पाना बड़ा मुश्किल होता है। जिस वजह से कई विद्यार्थी दो से तीन प्रयास में भी सफल नहीं हो पाते, उनका चिकित्सक बनने का सपना अधूरा रह जाता है। **-आयुष्मान विद्यार्थी, आरपीएस स्कूल।**

मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हर विद्यार्थी का सपना डॉक्टर बनने का होता है और वह पूरे वर्ष उसके लिए काफी मेहनत भी करता है लेकिन रैंकिंग ठीक नहीं आने की वजह से या तो उसका होता नहीं या फिर कॉलेज अच्छा नहीं मिल पाता जिससे वह हत्तोसाहित हो जाता है। **-अनिश कुमार, विद्यार्थी, हैप्पी स्कूल।**

नीट की परीक्षा में 80 प्रतिशत राज्य का कोटा होता है। अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो विद्यार्थियों को उस कोटे का फायदा मिलेगा और अपने ही जिले में रहकर डॉक्टर बनने का सपना साकार कर सकेंगे। **-केशव विद्यार्थी हैप्पी स्कूल।**

नहीं खरीदनी होगी जमीन : अगर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज की मंजूरी मिल जाती है तो केंद्र सरकार को 50 प्रतिशत बजट का फायदा हो जाएगा। केंद्र सरकार को कॉलेज के लिए जमीन एक्वायर करने की आवश्यकता नहीं होगी। हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त मात्रा में जमीन है। अगर दूसरी जगह बनाते हैं तो करोड़ों रुपये की जमीन खरीदनी पड़ती है। खास बात यह है कि प्रदेश सरकार को इस पर एक रुपया खर्चा नहीं करना पड़ेगा केवल उनको सैद्धांतिक मंजूरी देनी है। विवि प्रशासन पहले ही हर संभव मदद और जमीन दिए जाने का आश्वासन दे चुका है।

हरिभूमि

रोहतक -महेन्द्रगढ़

11 May 2022

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

हकेंवि में मेडिकल कॉलेज निर्माण को भेजा प्रस्ताव

तीन चरणों में देश में कुल 157 मेडिकल कॉलेज बनने हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के मुद्दे को संसद में उठाने के पश्चात सांसद धर्मबीर सिंह ने सीएम के नाम प्रदेश सरकार को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास जल्द भिजवाने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि महेंद्रगढ़ के जांट-पाली में वर्ष 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने जब हकेंवि का उद्घाटन किया था, तब इस केंद्रीय विवि में एक मेडिकल कॉलेज भी खोले जाने की घोषणा की थी, लेकिन कमाल की बात है कि तबसे लेकर अब तक करीब सवा दशक लंबा समय बीत गया, लेकिन अब तक मेडिकल कॉलेज निर्माण में कोई हलचल नहीं हुई। शुरूआत में तो केंविवि स्वयं की बिल्डिंग को ही तरस गया था और इस विवि को भवन के अभाव में नारनौल के बीएड कॉलेज में चलाया गया, जबकि प्रशासनिक भवन गुड़गांव से चला। काफी जद्दोजहद के बाद इस विवि का भवन निर्माण चला और कुछ हिस्सा बनने पर जांट-पाली में विवि की कक्षाएं एवं प्रशासनिक कार्यालय स्थानांतरित किए गए। इसी दौरान कई नए कोर्स चालू भी चालू हुए, लेकिन मेडिकल कॉलेज की बात कहीं दब गई, जिसे महेंद्रगढ़ के कुछ जागरूक लोगों ने सांसद धर्मबीर सिंह के सम्मुख रखा। सांसद ने इस मुद्दे को गत 31 मार्च संसद में प्रश्नकाल के दौरान उठाया और सरकार का ध्यान खिंचा। इसके जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. मनसुख मांडविया की ओर से एक पत्र सांसद धर्मबीर को गत 25 अप्रैल को भेजा गया, जिसमें उल्लेख किया गया है कि आपने महेंद्रगढ़ एवं चरखी दादरी में मेडिकल कॉलेज की मांग उठाई गई है। इसकी जांच करवाने पर पता चला है कि इस मंत्रालय द्वारा केंद्र प्रायोजित एक योजना नामतः मौजूदा जिला/रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना लागू की जा रही है। इसके तहत तीन चरणों में देश में कुल 157 मेडिकल कॉलेज बनने हैं। पहले चरण में 58, दूसरे में 24 तथा तीसरे में 75 कॉलेज बनने हैं। हरियाणा में भिवानी जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार की ओर से महेंद्रगढ़ और चरखी दादरी जिलों के मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। यदि अगले चरण में योजना का विस्तार हुआ तो उस पर जरूर विचार किया जाएगा। इसके अलावा महेंद्रगढ़ जिले में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में घोषित मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शुरू करने के अनुरोध को हरियाणा सरकार के पास भेज दिया गया।

नारनौल। केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

राज्य सरकार को केंद्र को पत्र भेजने का अनुरोध

सांसद ने सीएम के नाम गत नौ मई को पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजने का अनुरोध किया है। अब देखना होगा कि राज्य सरकार केंद्रीय मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने में कितना समय लेती है।

भास्कर खास • लोकसभा सांसद द्वारा सदन में मुद्दा उठाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य सरकार को जारी किया पत्र

केंद्रीय विवि में मेडिकल कॉलेज खोलने की केंद्र सरकार की पहल, अब गेंद राज्य सरकार के पाले में

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के पत्र के साथ ही सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने भी लिखा सीएम को पत्र

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

केन्द्र सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इस बारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राज्य सरकार को पत्र लिख कर प्रस्ताव भेजने को कहा है। केंद्र की इस पहल के बाद सांसद धर्मबीर सिंह ने भी सीएम को पत्र लिख कर हकेंवि में मेडिकल कॉलेज के लिए प्रस्ताव भिजवाए जाने का अनुरोध किया है।

विवि के शुभारंभ से ही विश्वविद्यालय परिसर में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की मांग उठ रही है। मौजूदा प्रदेश सरकार के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की अपनी योजना के तहत नारनौल जिला मुख्यालय के पास मेडिकल कॉलेज की मंजूरी के बाद महेंद्रगढ़ के लोगों की तरफ से यह हकेंवि में मेडिकल कॉलेज की मांग ने जोर पकड़ा था। सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग को उठाया था। सदन में उनके इस मुद्दे को उठाने के बाद अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक मंजूरी दी है। राज्य सरकार को पत्र भेज पर इसके लिए प्रस्ताव भेजने को कहा है। इससे हकेंवि में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर एक बाद गेंद फिर राज्य सरकार के पाले में आ गई है। सांसद धर्मबीर सिंह ने भी सीएम मनोहरलाल को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि राज्य सरकार इस बारे केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे। जिससे इस मामले को सिरे चढ़ाया जा सके।

सामाजिक संगठनों ने सांसद को सौंपा था ज्ञापन

हकेंवि में मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर क्षेत्र की अनेक सामाजिक संगठनों की तरफ से सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को ज्ञापन सौंपे गए हैं। पिछले दिनों रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारत के हजारों छात्रों को वहां से निकाला गया था। उसके बाद से केविवि में मेडिकल कॉलेज की मांग ने दोबारा से जोर पकड़ा। इस पर सुंडाराम ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा था। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया था। मालड़ा ने बताया कि देश भर में 16 विवि हैं। सभी में अगर मेडिकल कॉलेज खोल दिया जाता है तो देश में हजारों सीटें मेडिकल की पढ़ाई की बढ़ जायेंगी और बहुत से बच्चों को देश से बाहर मेडिकल की पढ़ाई करने नहीं जाना पड़ता। सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान ही जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग उठाई। जिसपर अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह का धन्यवाद व्यक्त किया है।

सांसद ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की तरफ से सीएम मनोहरलाल को लिखे पत्र में कहा गया है कि महेंद्रगढ़ जिला में हरियाणा केन्द्रीय विश्विद्यालय पाली में घोषित मेडिकल कॉलेज के निर्माण का मुद्दा हाल ही में 31 मार्च को लोकसभा के बजट सत्र में नियम 377 के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखा था। जिसके लिए केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से 20 अप्रैल को को पत्र भेजे कर प्रस्ताव मांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज दे तो इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है। मेरा निवेदन है कि हरियाणा केन्द्रीय विश्विद्यालय पाली में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए राज्य सरकार की तरफ से एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द से जल्द भेजा जाए। ताकि इस मेडिकल कॉलेज जल्द से जल्द निर्माण कराया जा सके।

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज के लिए केंद्र सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

अब प्रदेश सरकार को स्वीकृति देकर केंद्र को भेजना होगा प्रस्ताव

प्रदीप शर्मा

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब प्रदेश सरकार को स्वीकृति देकर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजना होगा। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से 20 अप्रैल को प्रस्ताव मांगा था।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने बताया कि इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पत्र जारी कर दिया है। इसके बाद उन्होंने 9 मई को मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार को जल्द प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है। वहीं, हकेंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो विवि की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को शीघ्र भेज दे तो मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है। (संवाद)

प्रदेश सरकार को नहीं देनी होगी हिस्सेदारी

सांसद ने बताया कि केंद्र सरकार से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब राज्य सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजना होगा। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र भी लिखा है। सांसद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में प्रदेश सरकार को अपनी कोई हिस्सेदारी नहीं देनी होगी, यह पूरा प्रोजेक्ट केंद्र सरकार बनाएगी। राज्य सरकार को केवल अपनी मंजूरी देनी होगी। अगर यह प्रोजेक्ट सिरे चढ़ जाता है तो क्षेत्र के लगभग 250 गांवों तथा आसपास के जिलों को इसका फायदा मिलेगा। केंद्रीय विवि की आधारशिला 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने रखी थी।

अगर यह जिम्मेदारी मिलेगी तो उसे पूरी तरह से निभाएंगे। हकेंविवि के पास मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त जमीन है। **-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।**

हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार ने दी सैद्धांतिक मंजूरी

सांसद ने लोकसभा में उठाई थी आवाज, अब प्रदेश सरकार को देनी होगी मंजूरी, केंद्र सरकार को भेजना होगा प्रस्ताव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़/नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंविवि) में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाने को लेकर केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह को लेटर भी जारी कर दिया है। उन्होंने लेटर के माध्यम से बताया कि 20 अप्रैल को हकेंविवि महेंद्रगढ़ में घोषित मेडिकल कॉलेज के लिए उचित कार्रवाई के लिए प्रदेश सरकार को भेज दिया है।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने 9 मई को सूबे के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार को जल्द प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया है। वहीं हकेंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अगर केंद्र सरकार यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करती है तो विवि की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

बता दें कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की आधारशिला 2009 में तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री अर्जुन सिंह ने रखी थी। उस समय हकेंविवि को बनाने के लिए गांव जांट पाली की 488 एकड़ पंचायती जमीन अधिगृहित की गई थी। उसी समय से क्षेत्रवासियों की हकेंविवि में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की मांग चली आ रही है। बीच में जिले के अंदर राज्य सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की चर्चा चली तो उस समय अवश्य नेताओं ने यहां मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग उठाई थी लेकिन अब वह मेडिकल कॉलेज 500 करोड़ रुपये से कोरियावास में बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा कोरियावास में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की घोषणा पर लोग हताश हो गए थे इसके बाद हकेंविवि मेडिकल कॉलेज की मांग किसी भी नेता ने नहीं उठाई। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने 31 मार्च 2022 को आम बजट में मेडिकल कॉलेज का मुद्दा उठाया। यह मुद्दा उठने के बाद क्षेत्रवासियों को मेडिकल कॉलेज की दोबारा आस बंधी हैं। अगर यह प्रोजेक्ट सिरे चढ़ जाता है तो क्षेत्र लगभग 250 गांवों तथा आसपास के जिलों को इस फायदा मिलेगा।

प्रदेश सरकार को नहीं देनी होगी हिस्सेदारी, केवल सैद्धांतिक मंजूरी की जरूरत: सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब राज्य सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजना होगा। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र भी लिखा है। सांसद ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज में प्रदेश सरकार को अपनी कोई हिस्सेदारी नहीं देनी होगी, यह पूरा प्रोजेक्ट केंद्र सरकार बनाएगी। राज्य सरकार को केवल अपनी सैद्धांतिक मंजूरी देनी होगी। अगर राज्य सरकार सैद्धांतिक मंजूरी दे देती है तो केंद्र सरकार हरियाणा केंद्रीय विद्यालय में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर देगी।

सांसद धर्मवीर।

स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग को लिखा गया पत्र। संवाद

मुख्यमंत्री केंद्र को भेजें प्रस्ताव

केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से पत्र संख्या यू-14017/55/2022-एमई-2 (8163527) के तहत 20 अप्रैल 2022 के द्वारा प्रस्ताव मांगा है। अगर राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को जल्द भेज दे तो इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द हो सकता है।

अगर हकेंविवि का यह जिम्मेदारी मिलेगी तो उसे पूरी तरह से निभाएगी। हकेंविवि के पास मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त जमीन है जितनी जमीन की जरूरत होगी, उतनी हकेंविवि उपलब्ध करवा देगा।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति।

श्री सुंडाराम ट्रस्ट ने की थी सांसद से मांग

महेंद्रगढ़। केंद्र सरकार ने जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इस बारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एक पत्र सांसद धर्मबीर सिंह को लिखा है। पिछले दिनों रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने पर यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे देश के हजारों छात्रों को वहां से निकाला गया था। अब उन छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी करना चुनौती बना हुआ है। महेंद्रगढ़ जिले के भी दर्जन भर ऐसे छात्र निकाले गए थे। उन दिनों लोकसभा का सत्र भी चल रहा था। श्री सुंडाराम ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालड़ा ने सांसद धर्मबीर सिंह से मुलाकात कर एक पत्र सौंपा था जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया था। संदीप मालड़ा ने बताया कि देश भर में 16 केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं और सभी में अगर मेडिकल कॉलेज खोल दिया जाता है तो देश में हजारों सीटें मेडिकल की पढ़ाई की बढ़ जाएंगी और बहुत से बच्चों को यूं देश से बाहर मेडिकल की पढ़ाई करने नहीं जाना पड़ेगा। संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह ने लोकसभा सत्र के दौरान ही जाट पाली केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग उठाई जिस पर अब केंद्र की तरफ से सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। संवाद

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रास एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रास संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रॉस संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस मनाया जाता है और इस दिन ये दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 8 मई को हेनरी ड्यूनेंट का जन्म हुआ था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रास ने हमेशा नि:स्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रैडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़, 9 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में यूथ रैडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रैडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी।

अपने संदेश में कहा कि विश्व रैडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रैडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

विपरीत परिस्थिति में रक्षा करती है रेडक्रास : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रास व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्व रेडक्रास दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।

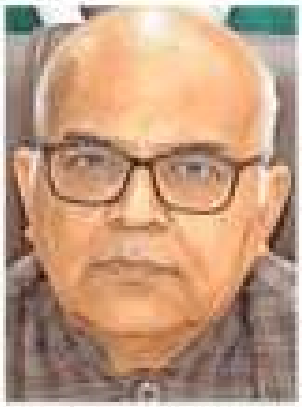

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डा. दिनेश चहल ने सभी को विश्व रेडक्रास दिवस की बधाई दी। डा. चहल ने अपने संबोधन में कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रास के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रास की शुरुआत की थी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस संस्था की स्थापना 1863 में स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई थी। रेडक्रास संस्था को वर्ष 1917, 1944 और 1963 में नोबेल शांति अवार्ड भी मिला था। हर साल आठ मई को विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है।

स्वयंसेवकों को संबोधित करते डा. दिनेश चहल ● सौ. संस्था

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और अपने संदेश में कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरुरतमंद लोगों की सेवा करना है।

हकेंविवि में मनाया विश्व रेडक्रॉस दिवस

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में को विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्व रेड क्रॉस दिवस को मनाने का उद्देश्य देश के नागरिकों को विपरीत परिस्थिति में लोगों के जीवन की रक्षा करना, मानव जिंदगी को बचाना और सेहतमंद करना, घायल नागरिकों की रक्षा करना, दुनियाभर में जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सर जीन हेनरी ड्यूनेंट ने रेडक्रॉस की शुरुआत की थी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने कहा कि बात चाहे कोरोना जैसी महामारी की हो या रूस-यूक्रेन युद्ध की, यूथ रेडक्रॉस ने हमेशा निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस के उद्देश्य स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। संवाद

कार्यशाला

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला का समापन

किसानों का आत्मनिर्भर बनना जरूरी: ओपी यादव

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को दो दिवसीय कार्यशाला व गोधन आधारित उत्पादों की प्रदर्शनी का समापन हुआ। विवि के नवाचार एवं उद्भव केंद्र द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था। समापन अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रबंधन विभाग के आचार्य प्रो. आरपी तुलसीयान विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. ओपी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि द्वारा अपनी आजीविका चलाती है। देश की अर्थव्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है इसलिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है। विवि द्वारा गोद लिए गए गांवों को आत्मछिनर्भर बनाने के लिए शुरु की गई इस पहल का लाभ अवश्य ही किसानों को मिलेगा। इस कार्य के लिए उन्होंने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति प्रो. सुनील कुमार तथा कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की सराहना की।

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव। संवाद

विशिष्ठ अतिथि प्रो. आरपी तुलसीयान ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जो शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के साथ-साथ किसानों को भी आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय क्षेत्र के गांवों को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयासरत है। विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि कुलपति के निर्देशन में विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के मोर्चे पर भी कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रदीप चैहान, अंकुश, प्रदीप मालड़ा, संदीप यादव, बसर सिंह सहित मालड़ा, लावन, भगडाना, ढाणा, सेहलंग के किसान और शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day Seminar on Extremism in Afghanistan and its Impact on India & Asian Region

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-05-2022**

'काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण'

संगोष्ठी में अफगानिस्तान में बदली परिस्थितियों से भारत और एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। उन्होंने कहा कि हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालात के कारणों और उससे देश - दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने और समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

हकेंविवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कैप्टन आलोक बंसल को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार संवाद

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने संगोष्ठी के विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका सुश्री निधि बहुगुणा ने अफगानिस्तान में बदले हालातों और इसमें अमेरिका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। डॉ. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। इस मौके पर विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-05-2022**

अफगानिस्तान : भारत व एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ, विभिन्न विवि व शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हकेंवि में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालात के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी।

आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ।

हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कैप्टन आलोक बंसल • सौ. संस्था

कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डा. शंतोष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डा. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है, जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है। एक निर्धारित योजना के साथ हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल है। पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका निधि बहुगुणा ने प्रतिभागिता की तथा अफगानिस्तान में बदले हालात इसमें अमेरिका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। इसके अलावा प्रतिभागी वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। साथ ही डा. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। इस आयोजन में विभिन्न विवि व शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में डा. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 14-05-2022**

हकेवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ

नारनौल (निस) : केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Sat, 14 May 2022
https://epaper.dainiktribune

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-05-2022**

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारंभ

अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों से भारत और एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों पर किया गहन मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया।

हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल

कुलपति ने किया संबोधित

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की संवेदना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को उनकी समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

महेंद्रगढ़। स्मृति चिह्न देकर स्वागत करते कुलपति टंकेश्वर कुमार। फोटो: हरिभूमि

भारत की विदेश नीति की जानकारी दी

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है। एक निर्धारित योजना के तहत हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने अपने संबोधन में तालिबानों के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूरी निर्धारित योजना के तहत किया गया है। पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व [illegible] ने प्रतिभागियों को तथा अफगानिस्तान में बदले हालातों इसमें अमेरिका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। इसके अलावा प्रतिभागी वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। साथ ही डॉ. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 14-05-2022**

TWO-DAY NATIONAL SEMINAR STARTS AT CUH

SanjayKumar
info@impressivetimes.com

WHILE ADDRESSING THE INAUGURAL SESSION OF THE SEMINAR SPONSORED BY THE INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH (ICSSR) AND ORGANIZED IN COLLABORATION WITH THE CENTER FOR THE STUDY OF LADAKH AND JAMMU AND KASHMIR PROF. TANKESHWAR KUMAR, VICE-CHANCELLOR

MAHENDRAGARH: A two-day national seminar focusing on 'Extremism in Afghanistan and its Impact on India and Asian region inaugurated at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. While addressing the inaugural session of the seminar sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) and organized in collaboration with the Center for the Study of Ladakh and Jammu and Kashmir Prof.Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH said that this semina will help us to understand the causes of the changed situation in Afghanistan and its impact on the country as well as on the world. The experts involved in the event will definitely help in calming the various curiosities of the participants towards this topic. Capt. Alok Bansal, Director, India Foundation and keynote speaker of the seminar said that social science is a subject in which changes are seen in the results in accordance with the circumstances. It is difficult to achieve the same results at every level. He also pointed to the changing situation in Afghanistan and its implications for India and Asia. In addition to the inaugural session held on the first day, Prof. Sanjay Srivastava from Banaras Hindu University and Prof. Manish from Central University of Gujarat and writer Ms. Nidhi Bahuguna participated in other sessions. Researchers from various universities and educational institutes also presented their research papers at this event. At the end of the program Dr. Ramesh Kumar, HoD, Department of Political Science presented the vote of thanks. Deans of various Schools of the University, HoDs, faculty members, students and researchers were present on this occasion. At the beginning of the program, Dr. Shantesh Kumar Singh, Associate Professor presented the welcome address. The Outline was presented by the Organizing Secretary Dr. Rajeev Kumar Singh.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-05-2022**

हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ

अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के भारत व एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़, 13 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आई. सी. एस. एस. आर.) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है।

हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में इंडिया फाऊंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस 2 दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने-समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आई.सी.एस.एस.आर. के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

हकेंवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, (दाएं) कैप्टन आलोक बंसल।

अफगानिस्तान की मौजूदा परिस्थितियों व जिम्मेदार कारणों पर डाला प्रकाश

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवर्तन देखने को मिलता है।

एक निर्धारित योजना के साथ हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया।

उन्होंने अपने संबोधन में तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में अफगानिस्तान की मौजूदा परिस्थितियों और उसके लिए जिम्मेदार कारणों पर भी प्रकाश डाला।

चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर की चर्चा

पहले दिन आयोजित उद्घाटन सत्र के अतिरिक्त अन्य सत्रों में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय श्रीवास्तव और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष व लेखिका सुश्री निधि बहुगुणा ने प्रतिभागिता की तथा अफगानिस्तान में बदले हालातों, इसमें अमरीका की भूमिका और इसके हितों की चर्चा की। इसके अलावा प्रतिभागी वक्ताओं ने भारत की विदेश नीति में तथा एशियाई देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला।

साथ ही डॉ. मनीष ने चीन के तालिबान के साथ बढ़ते संबंधों पर भी चर्चा की। इस आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थानों से आए शोधार्थियों के अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 14-05-2022**

अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों से भारत व एशियाई देशों पर पड़ रहे प्रभावों की हुई चर्चा

- हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ शुभारम्भ

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : हरियाणा केंद्रीय विश्व विद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत शुक्रवार को हुई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएस एसआर) द्वारा प्रायोजित तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के सहयोग से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है। हमें इस आयोजन के माध्यम से अफगानिस्तान के बदले हालातों के कारणों और उससे देश-दुनिया पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने समझने में मदद मिलेगी। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ अवश्य ही इस विषय के प्रति

प्रतिभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत करने में मददगार होंगे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया फाउंडेशन के निदेशक कैप्टन आलोक बंसल ने विषय को विस्तार से प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में स्वागत भाषण विभाग के सहआचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात संगोष्ठी की रूपरेखा आयोजन सचिव डॉ. राजीव कुमार सिंह ने प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस विषय से संबंधित विभिन्न आयामों को जानने समझने का अवसर मिलेगा और आयोजन के पश्चात एक विस्तृत रिपोर्ट आईसीएसएसआर के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता कैप्टन आलोक बंसल ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जिसमें परिस्थितियों के अनुरूप परिणामों में परिवत्रन देखने को मिलता है।

एक निर्धारित योजना के साथ हर स्तर पर एक जैसे परिणाम प्राप्त कर पाना मुश्किल है। उन्होंने अफगानिस्तान के बदले हालातों और उससे भारत व एशिया पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने अपने संबोधन में तालिबानी के काबुल पर कब्जे के लिए निर्धारित 15 अगस्त की तिथि को भारत के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि अवश्य ही यह पूर्व निर्धारित योजना के तहत किया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में अफगानिस्तान की मौजूदा परिस्थितियों और उसके लिए जिम्मेदार कारणों पर भी प्रकाश डाला।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 15-05-2022**

आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

विश्वविद्यालय में 40 से अधिक शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। यहाँ 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डॉ. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डॉ. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह उल्लेखनीय आयोजन रहा। कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर कुलपति व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शांतेष कुमार सिंह की संपादित पुस्तक नॉनट्रडिशनल सेक्युरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने के लिए संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

हकेंवि में डॉ. शांतेष कुमार सिंह द्वारा संपादित पुस्तक का किया गया विमोचन। संवाद

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा है तथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात करता है। तालिबान द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से प्रो. रिपू सूदन सिंह तथा मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली के डॉ. अशोक के. बेहुरिया विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने इस विषय को महत्वपूर्ण बताया और तालिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों पर प्रकाश डाला।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 15-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा पर केंद्रित करना चाहिए : डॉ. केतकर

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डॉ. आश्विनी केतकर द्वारा की गई।

डॉ. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया (मुख्य रूप से भारत) पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन उपयोगी साबित होगा।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो.चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शान्तेष कुमार सिंह की सम्पादित पुस्तक नॉन ट्रेडिशनल सेक्युरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में पाकिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने हेतु संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से प्रो. रिपु सुदान सिंह तथा मनोहर परीकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली के डा. अशोक के. बेहुरिया विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में 15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने तालिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों पर प्रकाश डाला। समापन समारोह में राजनीतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार द्वारा अभिवादन किया गया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 15-05-2022**

आइसीएसएसआर को भेजी जाएगी संगोष्ठी की रिपोर्ट : प्रो. टंकेश्वर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि कंतकर द्वारा की गई। डा. कंतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन आवश्यक ही उपयोगी साबित होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डा. शांतेष कुमार सिंह की संपादित पुस्तक नॉन ट्रेडिशनल सिक्योरिटी कंसर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डा. स्मृति एस पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया।

हकेवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. संस्था

इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डा. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डा. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने के लिए संभावित रणनीतियों की चर्चा की। डा. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा है तथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात करता है। तालिबान द्वारा की गई प्रेस कांफ्रेंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विवि, लखनऊ से प्रो. रिपू सुदान सिंह तथा मनोहर पारिकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डा. अशोक के. बेहुरिया विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया। उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए सत्र को संवादात्मक रूप दिया। इस संगोष्ठी में 15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने इस विषय को महत्वपूर्ण बताया और तालिबान के विकास के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पाकिस्तान और अमेरिका की भूमिका से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। समापन समारोह में राजनीतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रमेश कुमार द्वारा अभिवादन किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग के सह आचार्य डा. शांतेश ने संगोष्ठी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 15-05-2022**

Two day National Seminar concludes at CUH

Urvashi Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH: In an ongoing ICCSR sponsored National Seminar in Central University of Haryana (CUH), Mahednergarh organized by Department of Political Science in a collaboration with Centre for Ladakh and Jammu Kashmir Studies under the theme of Extremism in Afghanistan and its impact on India & Asian Region came to an end on Saturday with the valedictory session attended by esteemed Prof. Chintamani Mahapatra, and honorable Vice Chancellor, Prof Tankeswar Kumar of Central University of Haryana. On the second day of seminar, various renowned speakers, and Professors have participated and deliberated over the pertinent issues concerning to the developments in Afghanistan and its implications in India. Also, many researchers, students from various universities and institutes presented their papers on various issues covering the principal theme of the seminar and actively participated in discussion. In a series of addresses, Dr. Ketkar from JNU highlighted the impact of extremism of Islam on India and Central Asian region and discussed the radical tendencies of Taliban. Referring to the emerging situation after the change of guard in Afghanistan, she suggested that India should focus its attention on employment generation and developmental efforts in Jammu and Kashmir. Whereas Research Fellow in IDSA, New Delhi Dr. Smriti referred to the radical ideology, religious and community differences spreading in Sri Lanka and Bangladesh. Renowned experts of Afghan - Taliban issues and Indian foreign policy, Prof. Satish Kumar and Dr. Amit Singh were also part of the seminar who talked about various reasons before the rise of Taliban and its impacts on Afghani society. Other guest speakers of the day Prof. Ripu Sudan Singh, and Dr. Ashok K. Behuria explored major policy options for India and interacted with the students and research scholars. Along with this, they answered various questions asked by the attendees in the seminar. In the valedictory session of the two day seminar, Dr. Ramesh Kumar, Head of the Department of Political Science greeted the visiting guests. Vice Chancellor of Central University of Haryana, Prof. Tankeshwar Kumar discussed the emerging extremism in Afghanistan and its impact on the defense and security of Jammu & Kashmir. Along with this, Prof. Chintamani Mahapatra of JNU encouraged all the researchers and students in his farewell speech and underlined the emerging regional geopolitics after the return of Taliban in Afghanistan. At the end of the session, Associate Professor in the Department of Political Science Dr. Shantesh Kumar Singh placed the seminar report before the attendees and convener of the seminar, Dr. Rajeev Kumar Singh expressed his heartfelt grateful to all the guest speakers, Professors and participants who came to attend the seminar. Also, He congratulated all the members of organizing team for their sincere efforts.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 15-05-2022**

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

भारत अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा और विकासात्मक निर्माण पर केंद्रित करे: डा. केतकर

■ आई.सी.एस.एस.आर. को भेजी जाएगी संगोष्ठी की रिपोर्ट

महेंद्रगढ़, 14 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारत व एशियाई देशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे चरण की शुरूआत जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डा. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृत्ति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया (मुख्य रूप से भारत) पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस आयोजन में शामिल सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन आवश्यक ही उपयोगी साबित होगा।

हकेंवि में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आई.सी.एस.एस.आर. को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शान्तेष कुमार सिंह की सम्पादित पुस्तक नॉनट्रडिशनल सैक्योरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया। संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस. पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बंगलादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने हेतु संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा

डॉ. अमित कुमार ने तालिबान अधिकरण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया और बताया कि अफगानिस्तान अधिकरण के पश्चात पहली बार कोई आतंकवादी संगठन वैश्विक मत को महत्व देने लगा है तथा वह अन्य राष्ट्रों से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की बात करता है।

तालिबान द्वारा की गई प्रैस कांफ्रैंस इसी का उदाहरण है। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से प्रो. रिपू सुदान सिंह तथा मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विशेषण संस्थान, नई दिल्ली के डा. अशोक के. बेहुरिया ने विषय पर चर्चा करने के साथ विद्यार्थियों व शोधार्थियों से संवाद किया।

साथ ही उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए सत्र को संवादात्मक रूप दिया। इस 2 दिवसीय संगोष्ठी में 15 विशेषज्ञों ने विषय के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला और देश के विभिन्न भागों से विभिन्न संस्थानों से आए हुए 40 से अधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari (Rewari) **Date: 15-05-2022**

हरियाणा केंद्रीय विवि. में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

- आईसीएसएसआर को भेजी जाएगी संगोष्ठी की रिपोर्ट

महेन्द्रगढ़, सरोज यादव (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अफगानिस्तान की बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप भारतव एशियाईदेशों पर हो रहे इसके प्रभावों पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा लद्दाख एवं जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरा चरण जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डा. आरुषि केतकर द्वारा की गई। डा. केतकर ने तालिबान की कट्टरपंथी प्रवृति की चर्चा करते हुए चरमपंथी इस्लाम के दक्षिण एशिया (मुख्य रुप से भारत) पर प्रभावों पर प्रकाश डाला। अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान का जिक्र करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को अपना ध्यान रोजगार सुरक्षा व विकासात्मक-निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह बेहद उल्लेखनीय आयोजन रहा। इस आयोजन में शामिल सभी विशषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला।विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह आयोजन आवश्यक ही उपयोगी साबित होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम प्रयास करेंगे कि इस आयोजन की रिपोर्ट तैयार कर इसे आईसीएसएसआर को भेजा जाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. चिंतामणि महापात्रा ने डॉ. शान्तोष कुमार सिंह की सम्पादित पुस्तक नॉनट्रडिशनल सेक्युरिटी कन्सर्न इन इंडिया का विमोचन किया।संगोष्ठी में वक्ता डॉ. स्मृति एस.पटनायक ने तालिबान और एशियाई क्षेत्र में कट्टरपंथी पर इसके प्रभाव विषय पर व्याख्यान देते हुए श्रीलंका व बांग्लादेश में प्रसारित हो रही कट्टरपंथी विचारधारा, धार्मिक और सामुदायिक मतभेदों का जिक्र किया। इसी क्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. सतीश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डा. अमित सिंह जैसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद् भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ. सतीश कुमार ने काबुल में तालिबान का जिक्र करते हुए वर्तमान में अफगानिस्तानियों के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के शोषण तथा अव्यवस्थित राजनीतिक तंत्र को संतुलित करने हेतु संभावित रणनीतियों की चर्चा की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कामोद का किया भ्रमण

हकेंवि का भ्रमण दल गांव कामोद के सरपंच के साथ ● सौ. हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चरखी दादरी जिले के कामोद गांव का एक दिवसीय शोध भ्रमण किया।

इस शोध के मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों के रूझान, ग्राम पंचायत द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों का अध्ययन करना, ग्राम पंचायत में जाति की भूमिका को समझना व हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रभावों को जानना रहा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के शोध भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इसके माध्यम से उन्हें अपने ज्ञान के आधार पर वास्तविक परिस्थितियों को समझने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की विभाग प्रभारी डा. टी.लोंग्कोई, सहायक आचार्य डा. युद्धवीर जेलदार व तनवी भाटी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए इस शोध भ्रमण के विषय में कामोद गांव के सरपंच सुदर्शन ने बताया कि ग्राम पंचायत कामोद को गांव के विकास के लिए किए गये प्रयासों के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से कुल सात स्टार में से छः स्टार मिले हैं, जो पूरे गांव के लिए एक गर्व का विषय है।

इस शोध भ्रमण में विभाग के अध्यापकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

डॉ. पूजा यादव को मिली फैलोशिप

महेंद्रगढ़ | हकेंवि, महेंद्रगढ़ में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक

आचार्य डॉ. पूजा यादव को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से छह महीने के लिए प्रतिष्ठित एसआईआरई (एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस) फैलोशिप प्राप्त हुई है। डॉ. पूजा इसके अंतर्गत इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड हाइजीन, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड हाइजीन, जर्मनी में प्रोफेसर बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ काम करेंगी, जो माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा को बधाई दी । डॉ. पूजा यादव ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया से माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल बोस्टन और टेक्सास मेडिकल स्कूल, ह्यूस्टन से पोस्टडॉक किया है।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भी डॉ. पूजा को बधाई दी और में एक उपयोगी शोध की कामना की। प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित उम्मीदवार को दो से छह माह की अवधि के लिए दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों व विवियों का दौरा कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करना है।

विद्यार्थियों का शोध भ्रमण

सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों का रुझान जाना

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चरखी-दादरी जिले के कमोद गांव का एक दिवसीय शोध भ्रमण किया। इस शोध के मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों के रुझान, ग्राम पंचायत द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों का अध्ययन करना, ग्राम पंचायत में जाति की भूमिका को समझना व हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रभावों को जानना रहा। विभाग प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई, सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जेलदार व तनवी भाटी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए इस शोध भ्रमण के विषय में कमोद गांव के सरपंच सुदर्शन ने बताया कि ग्राम पंचायत कमोद को गांव के विकास के लिए किए गये प्रयासों के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से कुल सात स्टार में से छह स्टार मिले हैं जो पूरे गांव के लिए एक गर्व का विषय है। अध्यापकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

योग जागरूकता अभियान का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का योग विभाग, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाने के लिए क्षेत्र में योग के लिए जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत योग शिविर का आयोजन कर रहा है। जिसमें एमएससी योग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी आसपास के क्षेत्र में योग करने की सलाह दे रहे हैं। योग विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थी चतुर्थ सत्र में अनुसंधान परियोजनाओं पर काम करते हुए अपने ज्ञान और अनुभव लोगों के बीच जाकर साझा कर रहे हैं जिससे वे योग के यथार्थ स्वरूप से रूबरू हो रहे हैं। इसी क्रम में महेंद्रगढ़ में स्थित हुडा पार्क में लसानी यादव और अजय, वेदामृत योग संस्थान में नित्यानंद, प्रदीप, बाबा खीमज मंदिर सेहलंग पहाड़ी कनीना क्षेत्र में रोहित, सोमवीर ने योग कैंप की लगा रहे हैं। यहां भारी संख्या में लोग कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं। योग सीख रहे हैं। संवाद

डॉ. पूजा यादव को मिली फैलोशिप

प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलबर्ग के साथ जर्मनी में काम करेगी डॉ. पूजा

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पूजा यादव को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से छह महीने के लिए प्रतिष्ठित एसआईआरई (एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस) फैलोशिप प्राप्त हुई है।

डॉ. पूजा इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड हाइजीन, जर्मनी में प्रो. बारबरा स्पेलरबर्ग के साथ काम करेंगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. पूजा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य की यह उपलब्धि उल्लेखनीय है और अवश्य ही इसके माध्यम से वे फैलोशिप के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगी।

डॉ. पूजा यादव। संवाद

बता दें कि डॉ. पूजा यादव ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया से माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल बोस्टन और टेक्सास मेडिकल स्कूल, ह्यूस्टन से पोस्टडॉक किया है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह ने भी डॉ. पूजा को बधाई दी।

प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. बारबरा स्पेलबर्ग के साथ जर्मनी में काम करेगी डॉ. पूजा यादव

प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित उम्मीदवार को दो से छह महीने की अवधि के लिए दुनिया भर के प्रमुख संस्थानों व विश्वविद्यालयों का दौरा कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करना है।

शोध भ्रमण के दौरान गांव कमोद के पंचायत प्रतिनिधियों के साथ हकेंविवि के शिक्षक व विद्यार्थी। संवाद

विद्यार्थियों ने गांव कमोद का किया भ्रमण

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों ने चरखी दादरी जिले के गांव कमोद का शोध भ्रमण किया।

मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों के प्रति ग्रामीणों के रूझान, ग्राम पंचायत द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत किए गए प्रयासों का अध्ययन करना, ग्राम पंचायत में जाति की भूमिका को समझना व हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रभावों को जानना रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस तरह के शोध भ्रमण को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया। विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग की विभाग प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई, सहायक आचार्य डॉ. युद्धवीर जेलदार व तनवी भाटी के मार्गदर्शन में हुए शोध भ्रमण के विषय में कमोद गांव के सरपंच सुदर्शन ने बताया कि ग्राम पंचायत कमोद को गांव के विकास के लिए किए गए प्रयासों के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से कुल सात स्टार में से छह स्टार मिले हैं। जो पूरे गांव के लिए एक गर्व का विषय है। भ्रमण में विभाग के अध्यापकों, विद्यार्थियों व शोधार्थियों सहित 32 लोगों ने हिस्सा लिया।

E-RICKSHAW FACILITY AT CUH

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) has started an eco-friendly e-rickshaw service to provide transport facilities for students, research scholars, visitors, teaching and non-teaching employees for travelling from one building to other on the university campus. Vice-Chancellor Prof Tankeswar inaugurated the facility and stated that the battery based e-rickshaw being eco-friendly would help in reducing pollution.

The Tribune
Mon, 16 May 2022
https://epaper.tribune